

'NRI deposits drop 98% as oil prices remain low'

NEW DELHI: Net deposits by non-resident Indians (NRIs) dropped sharply by 98 per cent in April-August this fiscal due to fluctuation in oil prices, industry body Assocham said on Sunday.

The NRI deposit flows have nosedived to \$434 million in April-August from \$3.84 billion in the same period of previous fiscal, it said in a statement.

"With fading away of the glorious years for the oil-rich countries in the Gulf following crude prices battling to inch up, the NRIs net deposits inflows have seen a huge drop of 98 per cent in the first five months of current financial year over the same period of 2016-17," it said.

Non-resident Indians put

money into different accounts like Foreign Currency Non-Resident (Banks), Non-Resident External Rupee Account and Non-Resident (Ordinary) accounts.

The Non-Resident External Rupee Account has witnessed over 50 per cent decline in the deposits, it said.

"While there are various factors responsible for the NRI flows, including the interest rates, but the most plausible at this point of time seems to be economic problems in the Gulf countries, the largest source of NRI remittances, particularly for the low income expatriates," it said.

Remittances have been affected for states like Kerala, Uttar Pradesh and Bihar, the chamber said.

PTI

**NRI deposits drop
98% in Apr-Aug**

Net deposits by non-resident Indians (NRIs) dropped sharply by 98 per cent in April-August this fiscal due to fluctuation in oil prices, industry body Assocham said. NRI deposit flows have nosedived to \$434 million in April-August from \$3.84 billion in the year-ago period.

एनआरआइ डिपॉजिट ने लगाया गोता

नई दिल्ली, प्रेटर : कच्चे तेल की कीमत नीचे रहने से अनिवासी भारतीयों यानी एनआरआइ की ओर से डिपॉजिट में भारी गिरावट आई है। चालू वित्त वर्ष 2017-18 में अप्रैल से अगस्त के बीच एनआरआइ की ओर से जमाराशि का प्रवाह 98 फीसद लुढ़ककर 43.4 करोड़ डॉलर रह गया। बीते वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान उनके डिपॉजिट का यह आंकड़ा 3.84 अरब डॉलर था। उद्योग चैंबर एसोचैम ने अपने अध्ययन के आधार पर रविवार को यह जानकारी दी। खाड़ी देश एनआरआइ रेमिटेंस का प्रमुख स्रोत हैं। उद्योग चैंबर ने बयान जारी कर कहा है कि तेल के बल पर फल-फूल रहे खाड़ी देशों की

स्थिति इस रणनीतिक ईंधन के दाम नीचे बने रहने से खराब हुई है। इसका सीधा असर वहां रहने और काम करने वाले भारतीयों की कमाई पर पड़ा है। केरल, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के खाड़ी देशों में बसने वाले परदेसियों ने अपने परिवारों को पहले के मुकाबले काफी कम पैसे भेजे हैं। यानी इन राज्यों पर भी असर पड़ा है। अनिवासी भारतीय अपने पैसे बैंकों के एफसीएनआर, एनआरई रुपया एकाउंट और एनआर (सामान्य) खातों में रखते हैं। जहां तक उनकी ओर से नॉन रेजिडेंट एक्सटर्नल रूपी एकाउंट में रखी जाने वाली जमा राशि में 50 फीसद से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है।

98 प्रतिशत कम हुआ एनआरआई जमा : एसोचैम

प्रवासी भारतीयों की शुद्ध जमा में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान 98 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई है। उद्योग संगठन एसोचैम ने कहा कि एनआरआई द्वारा जमा की गई राशि इस साल अप्रैल से अगस्त के दौरान 43.4 करोड़ डॉलर पर आ गई जबकि यह पिछले साल की इसी अवधि में 3.84 अरब डॉलर रही थी। उसने कहा, खाड़ी के तेल समृद्ध देशों के शानदार साल व्यतीत हो जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतों गिरने से उन्हें गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। भाषा

तेल की कीमतें गिरने से
98 प्रतिशत कम हुआ
एनआरआई जमा: एसोचैम

नई दिल्ली। प्रवासी भारतीयों की शुद्ध जमा में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान 98 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई है। उद्योग संगठन एसोचैम ने आज यह जानकारी दी। एसोचैम ने एक बयान में कहा कि एनआरआई द्वारा जमा की गई राशि इस साल अप्रैल से अगस्त के दौरान 43.4 करोड़ डॉलर पर आ गई जबकि यह पिछले साल की असी अवधि में 3.84 अरब डॉलर रही थी। उसने कहा, खाड़ी के तेल समृद्ध देशों के शानदार साल व्यतीत हो जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतें गिरने से उन्हें गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं कारणों से एनआरआई के जमा में चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों के दौरान 98 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है।

98 प्रतिशत कम हुआ एनआरआई जमा : एसोचैम

नई दिल्ली, (भाषा)। प्रवासी भारतीयों की शुद्ध जमा में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान 98 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आयी है। उद्योग संगठन एसोचैम ने आज यह जानकारी दी। एसोचैम ने एक बयान में कहा कि एनआरआई द्वारा जमा की गयी राशि इस साल अप्रैल से अगस्त के दौरान 43.4 करोड़ डॉलर पर आ गयी जबकि यह पिछले साल की असी अवधि में 3.84 अरब डॉलर रही थी। उसने कहा, खाड़ी के तेल समृद्ध देशों के शानदार साल व्यतीत हो जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतें गिरने से उन्हें गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इन्हीं कारणों से एनआरआई के जमा में चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों के दौरान 98 प्रतिशत की भारी गिरावट आयी है।

तेल की कीमतें घटने से कम हुआ एनआरआई जमा

नई दिल्ली। प्रवासी भारतीयों की शुद्ध जमा में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान 98 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई है। उद्योग संगठन एसोचैम ने रविवार को यह जानकारी दी। एसोचैम ने एक बयान में कहा कि एनआरआई द्वारा जमा की गई राशि इस साल अप्रैल से अगस्त के दौरान 43.4 करोड़ डॉलर पर आ गई जबकि यह पिछले साल की असी अवधि में 3.84 अरब डॉलर रही थी। उसने कहा, खाड़ी के तेल समृद्ध देशों के शानदार साल व्यतीत हो जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतें गिरने से उन्हें गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

एनआरआइ डिपॉजिट ने लगाया गोता

नई दिल्ली : कच्चे तेल की कीमत नीचे रहने से अनिवासी भारतीयों यानी एनआरआइ की ओर से डिपॉजिट में भारी गिरावट आई है। चालू वित्त वर्ष 2017-18 में अप्रैल से अगस्त के बीच एनआरआइ की ओर से जमा राशि का प्रवाह 98 फीसद लुढ़ककर 43.4 करोड़ डॉलर रह गया। बीते वित्त वर्ष की समान अवधि के दौरान उनके डिपॉजिट का यह आंकड़ा 3.84 अरब डॉलर था। उद्योग चैंबर एसोचैम ने अपने अध्ययन के आधार पर रविवार को यह जानकारी दी। खाड़ी देश एनआरआइ रेमिटेंस का प्रमुख स्रोत हैं। केरल, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के खाड़ी देशों में बसने वाले परदेसियों ने अपने परिवारों को पहले के मुकाबले काफी कम पैसे भेजे हैं।

तेल की कीमतें गिरने से 98 प्रतिशत कम हुई एन.आर.आई. जमा : एसोचैम

प्रवासी भारतीयों (एन.आर.आई.) की शुद्ध जमा में तेल की कीमतों में उतार के कारण चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान 98 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई है। उद्योग संगठन एसोचैम ने आज यह जानकारी दी। एसोचैम ने कहा कि एन.आर.आई. द्वारा जमा की गई राशि इस साल अप्रैल से अगस्त के दौरान 43.4 करोड़ डॉलर पर आ गई जबकि यह पिछले साल की इसी अवधि में 3.84 अरब डॉलर रही थी। उसने कहा कि खाड़ी के तेल समृद्ध देशों के शानदार साल व्यतीत हो जाने के बाद कच्चे तेल की कीमतें गिरने से उन्हें गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

